Speech of Hon'ble Mr. Justice Vijender Jain, Chief Justice, Punjab and Haryana High Court & Patron-in-Chief, Haryana State Legal Services Authority on the occasion of Seminar on 'Eradication of Female Foeticide' and 'Drug De-addiction' held at Courts Complex, Moonak(Sangrur) on 15.3.2008.

Chief Justice of India Justice K.G. Balakrishnan, Hon'ble Justice Ashok Bhan, Hon'ble Justice A.K. Mathur, Hon'ble Justice H.S. Bedi, Sardar Parkash Singh Ji Badal, Chief Minister, Punjab, Mrs. Rajinder Kaur Bhattal, Leader, Opposition, Hon'ble Judges of Punjab and Haryana High Court, Justice Mehtab Singh Gill, Chairman Building Committee, Sh. Sukhdev Singh Dhindsa, Member, Parliament, Sh. S.D. Anand, Administrative Judge, Sh. B.C. Gupta, Principal Secretary, Sh. Prem Singh Chandumajra, District & Sessions Judge, Sangrur, President, District Bar Association, Sangrur,

मुझे अभी हुक्म हुआ अशोक भान साहब का कि मैं आपसे हिन्दी में मुखातिब होकर के कुछ बात करूं। बहुत हर्ष का विषय है जब यहां पर एक साल तीन महीने पहले Moonak के कोर्ट परिसर का foundation stone लगाया था तो एक वायदा आपके बीच में आकर के किया था और आज सवा साल के बाद हमारा कोर्ट परिसर तो दो महीने पहले तैयार हो गया था पर भारत के मुख्य न्यायाधीश श्री के.जी.बालाजीकृष्णन साहब से अशोक भान साहब ने फोन करके समय मार्च के महीने में लिया और मेरे ख्याल में पहली बार हमारे judicial इतिहास में Chief Justice of India ने एक Sub-divisional court का उद्घाटन किया है। ये Moonak की जनता के लिए, पंजाब की जनता के लिए एक बड़ी गौरव की बात है। मैं इस मौके पर पंजाब सरकार का, पंजाब के मुख्यमंत्री का खासतौर से धन्यवाद करना चाहता हूँ क्योंकि जब से मैंने चीफ जस्टिस का कार्यभार संभाला, पंजाब के अंदर judicial infrastructure को अच्छा बनाने के अंदर जो भी मदद, जो भी राशि हमने मांगी, मुख्यमंत्री जी ने हमेशा

वह राशि जितनी हमने मांगी उससे ज्यादा हमको दी। मैं इस मौके पर हमारे बीच में Supreme Court के जज साहिबान जो आए हैं उनका भी अभिनन्दन करता हूँ। अशोक भान जी तो आपकी इस मिट्टी से जुड़े हुए हैं। उनके पिताश्री वृषभान जी देश के वो क्रांतिकारी जुझारू नेताओं में से थे जैसे नेताओं की आज सारे राष्ट्र को जरूरत है। Smt. Rajinder Kaur Bhattal Ji जो इस constituency को represent करती हैं उनका भी सारा जीवन समाज, प्रांत और देश की सेवा में लगा रहा।

Legal Services Authority के माध्यम से हमने भ्रूण हत्या के और Drug de-addiction के कार्यक्रमों को लिया है उस क्षेत्र में भी प्रकाश सिंह बादल साहब ने, उनकी सरकार अपने सरकारी क्षेत्र में रहकर के कर ही रहे हैं। पर क्यों आवश्यकता हुई कि judiciary को या Chief Justice, Punjab and Haryana High Court को लोगों के बीच में आने की और आज तो श्री के.जी. बालाकृष्णन जी Chief Justice of India, जो केरल से सम्बन्ध रखते हैं, हमारे बीच में हैं। मैं हमेशा उदाहरण दिया करता था कि एक तरफ तो पंजाब का सारे हिन्दुस्तान के अंदर सबसे ऊपर उसका स्थान है। चाहे वो जंग-ए-आज़ादी हो, चाहे वो हरित क्रांति लाने के अंदर इस देश में पंजाबीयों का योगदान हो, पंजाबी किसान का और हमारे लड़कों का जो सरहद पर जाकर के देश की सेवा करते हैं और दूसरी तरफ जो भ्रूण हत्या का मामला है उसके अंदर भी पंजाब सारे हिन्दुस्तान में सबसे ऊपर है। मैं हमेशा ये सोचा करता था कि पंजाब और पंजाबियों को क्या हो गया है। क्या वो भूल गये कि एक तरफ हम दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती, भवानी सबकी पूजा करते हैं वो भी सब लड़कियां हैं और दूसरी तरफ हम उस छोटी नन्हीं-मुन्नी बच्ची को जो गर्भ के अंदर है उसको मार देते हैं। तो मैं हमेशा ये सवाल पूछता था कि कभी सोचा है कि अगर मां गुजरी बाई नहीं होती तो गुरू गोबिंद सिंह जी कहां से आते? अगर

कौशल्या नहीं होती तो भगवान राम कहां से आते? अगर यशोदा नहीं होती तो कृष्ण जी कहां से आते और अगर माँ नहीं होगी तो लड़का कहां से आयेगा?

समाज के अंदर जो एक हमारी दिमाग के अंदर सोच है कि एक लड़का ही हमारे को आग लगा सकता है या लड़का नहीं होगा तो मेरा वंश नहीं चलेगा। मैं पूछना चाहता हूँ यहां पर जो लोग बैठे हैं कितने लोग हैं जो अपने दादा-पिता, दादा का, पितामह का नाम जानते हैं। आप भूल गये पंजाब की इस धरती में जहां पर हर परिवार से लोग बाहर गये हुए हैं वहां पर बाहर जाने वाली लड़की जिसको आपने बाहर भेज दिया है वो सारे दिन घर में काम करके Canada से, England से फोन करके पूछती है पिताजी की तबियत ठीक है? मां, पिता जी को कहीं बुखार तो नहीं हो गया, बीमारी तो नहीं हो गई? वो लड़की का जो दिल, लड़की जो सारे संसार के अंदर वात्सल्य का प्रतीक है, वो लड़की जो शक्ति का प्रतीक है, वो लड़की जो शांति का प्रतीक है उस लड़की को अपने गर्भ के अंदर पैदा होने से पहले मार देते हैं तो इससे बड़ा अन्याय दूसरा नहीं होता है।

एक तरफ लड़की को मारा जाता है दूसरी तरफ हमारी तरूनाई पंजाब की, कोई भुक्की खाकर के, कोई smack पीकर के, कोई आयोडीन खाकर के, कोई छिपकली को crush करके, वो अपने नशे की आदत में चला गया है। पंजाब को जो सिरमौर है हिन्दोस्तान का, एक तरफ लड़की को पैदा नहीं होने देंगे दूसरी तरफ हमारे तरूणाई, हमारे बच्चे भुक्की खा करके और नशा करके अपने यौवन को बर्बाद कर देंगे तो कौन पंजाब को आगे ले जायेगा। इस दिशा के अंदर अगर इस सेमिनार में आप यहां पर जो इकट्ठे हुए हैं उनके मन के अंदर अगर एक थोड़ी सी पीड़ा पैदा हुई है तो मैं इस जन सभा को एक आह्वान करता हूँ कि आप तमाम लोग मिलकर के उसमें एक स्वयंसेवक की तरहसे, एक volunteer की तरह से शामिल होइये और पंजाब से इन दोनों बुराईयों को नशे को भी, भ्रूण हत्या को भी निकाल करके बाहर कर

दीजिये जिससे कि हम लोग पंजाब को हिन्दुस्तान का सबसे अहम, सबसे उतम एक State बना सकें। मैं अधिक समय नहीं लेना चाहता आपका इस मौके के ऊपर, programme काफी लम्बा हो गया है। मैं अपने तहे-दिल से K.G. Balakrishnan साहब का, Supreme Court के दूसरे जज साहिबान का, मुख्यमंत्री साहब का, Leader of Opposition का शुक्रिया अदा करता हूँ कि हमारे पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के इस कार्यक्रम को वो मिलकर के आगे बढ़ाने में हमारी मदद करते हैं।

बहुत-बहुत धन्यवाद।